लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 452

22 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र उद्योग में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ बनाना

452. श्री दामोदर अग्रवाल:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) निफ्ट जैसे भारतीय वस्त्र एवं फैशन संस्थानों और वैश्विक भागीदारों के बीच वस्त्र एवं फैशन क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और सुदृढ़ करने के लिए की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त पहलों से भारत के वस्त्र एवं फैशन क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में किस प्रकार योगदान मिलने की संभावना है;

(ग) क्या वैश्विक वस्त्र शिक्षा एवं अनुसंधान में भारत की उपस्थिति का विस्तार करते हुए, टिकाऊ और नवीन वस्त्र प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए ऐसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों का लाभ उठाने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्री गिरिराज सिंह)

(क) : मंत्रालय ने भारतीय वस्त्र मूल्य श्रृंखला की मजबूती को प्रदर्शित करने, वस्त्र एवं फैशन उद्योग में नवीनतम प्रगति/नवाचारों पर प्रकाश डालने तथा वस्त्र क्षेत्र में सोर्सिंग और निवेश के लिए भारत को सर्वाधिक पसंदीदा स्थान के रूप में स्थापित करने के लिए वैश्विक मेगा वस्त्र कार्यक्रम अर्थात भारत टेक्स 2025 के आयोजन में निर्यात संवर्धन परिषदों/संघों को सहयोग दिया है।

निफ्ट ने ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका, न्यूज़ीलैंड, फ़िनलैंड सहित 14 से अधिक देशों के 22 से अधिक संस्थानों के साथ औपचारिक सहयोग स्थापित किया है। ये सहयोग समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के माध्यम से किए गए हैं जो छात्र और संकाय एक्सचेंज, संयुक्त अनुसंधान पहल, दोहरी डिग्री और ट्विनिंग कार्यक्रमों, सहयोगात्मक पाठ्यक्रम विकास और वैश्विक शैक्षणिक एकीकरण को बढ़ावा देते हैं। इन विशिष्ट सहयोगों में एफआईटी (न्यूयॉर्क), यूएएल (यूके), ईएनएसएआईटी (फ्रांस) और बुंका (जापान) जैसे संस्थानों के साथ साझेदारी शामिल है। पिछले पाँच वर्षों में, लगभग 100 से अधिक निफ्ट छात्रों और कई संकाय सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंस कार्यक्रमों में भाग लिया है, जिसमें वैश्विक साझेदार संस्थानों की पारस्परिक भागीदारी भी शामिल है।

(ख) : ये अंतर्राष्ट्रीय सहयोग अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, नवाचार को बढ़ावा देने और नॉलेज ट्रांसफर को सक्षम बनाकर वैश्विक वस्त्र और फैशन क्षेत्र में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करते हैं। ये सहयोग छात्रों और संकाय सदस्यों को वैश्विक डिज़ाइन संवेदनशीलता, तकनीकी प्रगति और उभरते रुझानों से परिचित कराते हैं। पाठ्यक्रम को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाकर, ये सहयोग भारतीय स्नातकों को वैश्विक बाज़ारों में प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं और वस्त्र एवं फैशन में रचनात्मक और तकनीकी विशेषज्ञता के केंद्र के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करते हैं।

(ग) : निफ्ट फैशन और वस्त्र शिक्षा में सस्टेनेबल और नवीन पद्धितयों को बढ़ावा देने के लिए अपनी अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी का सक्रिय रूप से लाभ उठा रहा है। कई सहयोग एसएमई आधारित इकोसिस्टम के लिए विशेष प्रासंगिकता के साथ सतत डिज़ाइन रणनीति, नैतिक उत्पादन, सर्कुलर ईकोनॉमी मॉडल और वस्त्र प्रणालियों पर केंद्रित हैं।

(घ) : अपने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से, निफ्ट ने ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी फ्रेमवर्क को शैक्षणिक कार्यक्रमों और अनुसंधान पहलों में एकीकृत करना शुरू कर दिया है। उदाहरणों में शामिल हैं:

- सस्टेनेबल फैशन और वस्त्रों पर संयुक्त मॉड्यूल विकसित करने के लिए एफआईटी (न्यूयॉर्क) और यूएएल (यूके) जैसे संस्थानों के साथ चल रही सहभागिता और यूएएल (यूके) में एफटीटीआई के साथ एक सहयोगात्मक पहल का सेमेस्टर एक्सचेंज, जो सर्कुलेरिटी, जिम्मेदार फैशन और सांस्कृतिक स्थिरता पर केंद्रित है;
- सस्टेनेबल वस्त्र और जलवायु-अनुकूल फैशन पद्धति पर वैश्विक मंचों में संकाय की भागीदारी;
- डिजाइन परियोजनाओं, अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों और सस्टेनेबिलिटी पर प्रकाश डालने वाले एक्सचेंज कार्यक्रमों में छात्रों की भागीदारी।

****